NCERT SOLUTIONS

CLASS - 8TH

aglasem.com

Class : 8th

Subject : वसंत

Chapter : 18

Chapter Name : टोपी

Q1 गवरइया और गवरा के बीच किस बात पर बहस हुई और गवरइया को अपनी इच्छा पूरी करने का अवसर कैसे मिला?

Answer. गवरइया और गवरा के बीच आदमी के वस्त्र पहनने को लेकर बहस हुई। जब गवरे ने टोपी का जिक्र किया तो गवरइया ने भी अपनी टोपी पहनने की इच्छा को व्यक्त किया। गवरइया को अपनी इच्छा पूरी करने का अवसर जल्दी ही मिल गया| एक दिन दाना चुगते-चुगते उसे रुई का एक फाहा मिल गया।

Page : 127, Block Name : कहानी से

Q2 गवरइया और गवरे की बहस के तर्कों को एकत्र करें और उन्हें संवाद के रूप में लिखें।

Answer.

गवरइया :- "आदमी को देखते हो? कैसे रंग – बिरंगे कपड़े पहनते हैं। कितना फबता है उन पर कपड़ा।"

गवरा :- "खाक फबता है। कपड़ा पहन लेने के बाद तो आदमी और बदसूरत लगने लगता है।"

गवरइया :- "कपड़े केवल अच्छा लगने के लिए नहीं मौसम की मार से बचने के लिए भी पहनता है आदमी।"

गवरा :- "तू समझती नहीं। कपड़े पहन – पहन कर जाड़ा–गरमी–बरसात सहने की उनकी ताकत भी जाती रही है और कपड़ा पहनते ही पहनने वाले की औकात का पता चल जाता है।"

गवरइया :- "फिर भी आदमी कपड़ा पहनने से बाज़ नहीं आता। नित नए - नए लिबास सिलवाता रहता है।"

गवरा :- "यह निरा पोंगापन है। अपन तो नंगे ही भले।"

गवरइया :- "उनके सिर पर टोपी कितनी अच्छी लगती है। मेरा भी मन टोपी पहनने का करता है।"

गवरा :- "टोपी तू पाएगी कहाँ से। टोपी तो आदमियों का राजा पहनता है। मेरी मान तो तू इस चक्कर में पड़ ही मत"।

Page : 127, Block Name : कहानी से

Q3 टोपी बनवाने के लिए गवरइया किस - किस के पास गयी? टोपी बनने तक के एक - एक कार्य को लिखें |

Answer. टोपी बनवाने के लिए गवरइया सबसे पहले रुई का फाहा लेकर एक धुनिया के पास गयी| धुनिया ने रुई का फाहा धुन दिया| उसके बाद कोरी के पास जाकर उसका सूत कटवाया| कटे हुए सूत को लेकर वह एक बुनकर के पास पहुंची| बुनकर ने उसे कपड़ा तैयार कर दे दिया| कपड़ा लेकर वह दर्जी के पास टोपी सिलवाने पहुंची थी | दर्जी ने टोपी सिलकर उस पर पाँच फुँदने जड़ दिए | इस तरह गवरइया की टोपी तैयार हो गयी |

aglasem.com

Page : 127, Block Name : कहानी से

Q4 गवरइया की टोपी पर दर्जी ने पाँच फुँदने क्यों जड़ दिए?

Answer. जब गवरइयां ने दर्जी से कहा की दो टोपी सिल लेना और एक आप रख लेना तो दर्जी खुश हो गया और उसने गवरइया की टोपी पर पाँच फुँदने जड़ दिए |

Page : 127, Block Name : कहानी से

Q1 किसी कारीगर से बातचीत कीजिए और परिश्रम का उचित मूल्य नहीं मिलने पर उसकी प्रतिक्रिया क्या होगी? ज्ञात कीजिए और लिखिए।

Answer. कारीगर अपनी मेहनत से वस्तुएँ तैयार करके और उन्हें बेचकर अपना जीवन यापन करते हैं | यदि उन्हें उनके परिश्रम का उचित मूल्य न मिले तो उन्हें बहुत दुःख होता हैं |

Page : 128, Block Name : कहानी से आगे

Q2 गवरइया की इच्छा पूर्ति का क्रम घूरे पर रुई के मिल जाने से प्रारंभ होता है। उसके बाद वह क्रमश: एक-एक कर कई कारीगरों के पास जाती है और उसकी टोपी तैयार होती है। आप भी अपनी कोई इच्छा चुन लीजिए। उसकी पूर्ति के लिए योजना और कार्य–विवरण तैयार कीजिए।

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page : 128, Block Name : कहानी से आगे

Q3 गवरइया के स्वभाव से यह प्रमाणित होता है कि कार्य की सफलता के लिए उत्साह आवश्यक है। सफलता के लिए उत्साह की आवश्यकता क्यों पड़ती है, तर्क सहित लिखिए।

Answer. उत्साह से किया गया कार्य हमेशा सफल होता हैं | गवरइया के मन में टोपी सिलवाने के प्रति उत्साह था तो उसे कार्य को पूरा करने की राह भी मिल गयी |

Page : 128, Block Name : कहानी से आगे

Q1 टोपी पहनकर गवरइया राजा को दिखाने क्यों पहुँची जबकि उसकी बहस गवरा से हुई और वह गवरा के मुँह से अपनी बढ़ाई सुन चुकी थी। लेकिन राजा से उसकी कोई बहस हुई ही नहीं थी। फिर भी वह राजा को चुनौती देने पहुँची। कारण का अनुमान लगाइए।

Answer. टोपी पहनकर गवरइया राजा को दिखाने पहुँची क्योंकि गवरइया की टोपी सुन्दर थी और वह राजा को बताना चाहती थी कि यदि सबको उनकी मेहनत के अनुसार पैसे मिले तो सब अपना काम उचित ढंग से करेंगे|

Page : 128, Block Name : अनुमान और कल्पना

Q2 यदि राजा के राज्य के सभी कारीगर अपने-अपने श्रम का उचित मूल्य प्राप्त कर रहे होते तब गवरइया के साथ उन कारीगरों का व्यवहार कैसा होता ?

aglasem.com

Answer. यदि राजा के राज्य के सभी कारीगर अपने-अपने श्रम का उचित मूल्य प्राप्त कर रहे होते तब गवरइया के साथ उन कारीगरों का व्यवहार विनम्र रहता | सबको ऐसा लग रहा था कि गवरइया भी मुफ्त में काम करवाने आयी हैं |

Page : 128, Block Name : अनुमान और कल्पना

Q3 चारों कारीगर राजा के लिए काम कर रहे थे। एक रजाई बना रहा था। दूसरा अचकन के लिए सूत कात रहा था। तीसरा धागा बून रहा था। चौथा राजा की सातवीं रानी की दसवीं संतान के लिए झब्बे सिल रहा था। उन चारों ने राजा का काम रोककर गवरइया का काम क्यों किया?

Answer. चारों कारीगर राजा के लिए काम कर रहे थे।फिर भी उन चारों ने राजा का काम रोककर गवरइया का काम किया क्योंकि उन्हें उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिल रहा था |

Page : 128, Block Name : अनुमान और कल्पना

Q1 गाँव की बोली में कई शब्दों का उच्चारण अलग होता है। उनकी वर्तनी भी बदल जाती है। जैसे गवरइया गौरैया का ग्रामीण उच्चारण है। उच्चारण के अनुसार इस शब्ल की वर्तनी लिखी गई है। फुँदना, फुलगेंदा का बदला हुआ रूप है। कहानी में अनेक शब्द हैं जो ग्रामीण उच्चारण में लिखे गए हैं, जैसे – मुलुक-मुल्क, खमा-क्षमा, मजूरी-मजदूरी, मल्लार-मल्हार इत्यादि। आप क्षेत्रीय या गाँव की बोली में उपयोग होनेवाले कुछ ऐसे शब्दों को खोजिए और उनका मूल रूप लिखिए, जैसे – टेम-टाइम, टेसन/टिसन – स्टेशन।

Answer.

मर्द - मरद

भैया - भइया

दुर्बल - दुबला

ग्राम – गाँव

Page : 129, Block Name : भाषा की बात

Q2 मुहावरों के प्रयोग से भाषा आकर्षक बनती है। मुहावरे वाक्य के अंग होकर प्रयुक्त होते हैं। इनका अक्षरश: अर्थ नहीं बल्कि लाक्षणिक अर्थ लिया जाता है। पाठ में अनेक मुहावरे आए हैं। टोपी को लेकर तीन मुहावरे हैं; जैसे – कितनों को टोपी पहनानी पड़ती है। शेष मुहावरों को खोजिए और उनका अर्थ ज्ञात करने का प्रयास कीजिए।

Answer. टोपी उछलना - बेइज्ज्ती होना

इसकी टोपी उसके सर - कई लोगों को एक साथ बेवकूफ बनाना

Page : 129, Block Name : भाषा की बात

aglasem.com

aglasem.com